

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

**वित्त अनुभाग -1**

विषय:-वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिये प्रथम अनुपूरक अनुदानों की स्वीकृति।  
महोदय,

देहरादून, दिनांक : 17 नवम्बर, 2015

कृपया वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015 का संदर्भ ग्रहण करें, जिसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय की धनराशियां आपके निवर्तन पर अग्रेत्तर स्वीकृतियां निर्गत करने हेतु रखी गयी थी। इसी क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 की प्रथम अनुपूरक मांगों एवं तत्सम्बन्धी विनियोग अधिनियम-2015 पारित होने के फलस्वरूप प्रथम अनुपूरक मांग की धनराशियां निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन विभागों के निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2- चूंकि अनुपूरक बजट में बजट प्राविधान मुख्यतः बचतों से वहन करने की परिकल्पना की गई है, अतः प्रथम अनुपूरक मांग की धनराशि व्यय हेतु निवर्तन पर रखने हेतु कड़े परीक्षण व नियंत्रण आधार पर ही कार्यवाही की जाय।

3- प्रथम अनुपूरक अनुदान द्वारा प्राविधानित धनराशि में वचनबद्ध मदों यथा वेतन, मंहगाई भत्ता, अन्य भत्ते, मजदूरी, विद्युत देय, जलकर/जलप्रभार, औषधि, भोजन व्यय आदि व्ययों तथा अधिष्ठान सम्बन्धित अन्य मदों का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु प्रशासनिक विभाग/बजट नियंत्रक अधिकारी द्वारा वास्तविक आवश्यकता/व्यय का आकलन करते हुये एवं यथास्थिति मूल बजट के सापेक्ष धनराशि कम पड़ने की दशा में ही इन मदों की धनराशियां आहरण-वितरण अधिकारियों के निवर्तन में शासनादेश दिनांक 01.04.2015 में इंगित प्रतिबन्धों के अन्तर्गत रखी जायें। आयोजनेत्तर/आयोजनागत पक्ष की राजस्व व्यय सम्बन्धी अन्य मदों के सापेक्ष भी वास्तविक आवश्यकता/व्यय का आकलन करते हुये मूल बजट की धनराशि कम पड़ने पर ही

5.0.  
कृ. निदेशन है  
प्रमाणित है  
18/11

मितव्ययता बरतने की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुये वित्त विभाग के पूर्व परामर्श/सहमति धनराशि आहरण-वितरण अधिकारियों के निर्वर्तन पर रखी जायें।

4- चालू निर्माण वर्ष में मुख्य बजट एवं अनुपूरक बजट में प्राविधानित बजट के सा अपलब्ध बचतों के आधार पर पूंजीगत मद से पूंजीगत मद में तथा राजस्व मद से राजस्व मद पुर्निविनियोग के प्रस्तावों की वित्तीय स्वीकृति सम्बन्धित अपर सचिव, वित्त के स्तर से जायेगी।

5- चालू निर्माण कार्यों एवं मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता/अनुदान संख्या-35-पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान तथा मानकमद-42-अन्य व्यय (जिला योजना एवं केन्द्रीय पोषित योजनाओं को छोड़कर) के लिये आय-व्ययक के संबंधित मानक मद के अन्तर्गत प्राविधानित ₹ 2.00 करोड़ तक की धनराशि के प्रस्ताव प्रशासकीय विभाग/बजट नियंत्रण अधिकारी द्वारा आहरण-वितरण अधिकारियों को दो चरणों में अपने स्तर से इस प्रतिबन्ध के साथ निर्गत की जायेगी कि नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही किश्तों में धनराशि आहरित एवं व्यय की जायेगी एवं द्वितीय किश्त को प्रथम किश्त के उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के उपरान्त ही जारी किया जायेगा। चालू निर्माण कार्यों एवं मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता/अनुदान संख्या-35- पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान तथा मानकमद-42-अन्य व्यय (जिला योजना एवं केन्द्रीय पोषित योजनाओं को छोड़कर) के लिये आय-व्ययक के संबंधित मानक मद के अन्तर्गत ₹ 2.00 करोड़ से ₹ 20 करोड़ की धनराशि के प्रस्ताव सम्बन्धित व्यय-नियंत्रण अनुभाग की सहमति से तथा ₹ 20.00 करोड़ से अधिक के प्रस्तावों पर राज्य की वित्तीय सुदृढता के दृष्टिगत सम्बन्धित व्यय-नियंत्रण अनुभाग के पश्चात् वित्त अनुभाग-1 की सहमति भी आवश्यक रूप से प्राप्त करते हुये तीन चरणों में निर्गत की जायेगी।

6- वर्ष 2015-16 के प्रथम अनुपूरक की केन्द्रपोषित/बाह्य सहायतित योजनाओं एवं एस0पी0ए0 अन्तर्गत भारत सरकार के स्तर पर अपलोडेड एवं अनुमत योजनाओं के सापेक्ष धनराशि मूल बजट की धनराशि कम पड़ने पर केन्द्र सरकार से धनराशि अवमुक्त हो जाने अथवा इस हेतु स्पष्ट अनुमोदन प्राप्त हो जाने की दशा में वित्त विभाग की पूर्व सहमति से आहरण-वितरण अधिकारियों के निर्वर्तन पर व्यय हेतु रखी जायें।

7- एस0पी0ए0(आर0) के अन्तर्गत बजट प्राविधान आपदा विभाग के अन्तर्गत किया गया है। चूंकि यह एक समयबद्ध संसाधन (Time bound resource) है। अतः उपरोक्त के सम्बन्ध में योजना आयोग द्वारा भारत सरकार की साईट पर अपलोडेड तथा स्वीकृत परियोजनायें एवं जिस पर

संख्या 1336 (1)/XXVII(1)/2015 एवं तददिनांक

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा देहरादून।
2. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
4. समस्त जिला वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. शासन के समस्त अनुभाग।
6. एन0 आई0 सी0, सचिवालय, देहरादून।
7. उपनिदेशक, शासकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय के साथ प्रेषित कि इस आदेश की 500 प्रतियाँ कराकर वित्त विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

(अमित सिंह नेगी)  
सचिव, वित्त